गौ आधारित प्राकृतिक खेती एवं फसल प्रबंधन संगोष्ठी एवं किसान मेला का आयोजन हुआ।

जनता कॉलेज बकेवर में आज दिनांक 12/01/2023 को व्यामशाला में कृषि विभाग , इटावा के सौजन्य से गौ आधारित प्राकृतिक खेती एवं फसल प्रबंधन संगोष्ठी एवं किसान मेला का आयोजन हुआ। कॉलेज के प्राचार्य डा राजेश किशोर त्रिपाठी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए जैविक खेती के बारे में बताते हुए अपने प्राचीन इतिहास में गौ आधारित प्राकृतिक कृषि के महत्व का जिक्र किया। कार्यक्रम में कृषि विभाग इटावा के कृषि उपनिदेशक श्री आर.एन सिंह ने कीटनाशकों के कम प्रयोग पर जोर दिया। गौ के उत्पाद जैसे गौ मूत्र, गोबर इत्यादि पर बल दिया।

गोबर से बनने वाले उत्पाद "ह्यूमस मिट्टी बचाए देश बचाए" पर विशेष ध्यान दिया दिया तथा कृषि विभाग के विभिन्न योजनाओं तथा उसके लाभ के बारे में जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम में डा एम पी सिंह ने समन्वित फसल प्रबंधन के अंतर्गत प्रत्येक जीव पर्यावरण एवं भूमि को सुरक्षित रखने के महत्त्व को बताया कि समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन , कीट प्रबंधन रोग प्रबंधन , मृदा प्रबंधन, फसल सुरक्षा उपाय अपनाकर किसान दोगुना उत्पाद प्राप्त कर सकते हैं। समन्वित फसल प्रबंधन के अंतर्गत यदि किसान रसायनों का प्रयोग कम कर जैव उत्पादों पर आधारित प्राकृतिक खेती करने के तरीके अपनाएंगे तो सबकुछ सुरक्षित रहेगा और उत्पादन भी बढ़ेगा । उन्होंने भी यह बताया कि खरपतवार प्रबंधन में किसान अत्यधिक खतरनाक रसायनों का प्रयोग करते हैं यदि उसके स्थान पर फसल चक्र डबल प्लेवा विधि आदि शस्य विधियां अपनाकर सुरक्षित उत्पादन ले सकते हैं।

डा. मनोज यादव ने बीज के संशोधन के बारे में बताया। सांपों का महत्व बताया डॉक्टर आदित्य कुमार ने पशुपालन एवं पशु रोग प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ आशीष त्रिपाठी ने कृषि में सांपों के महत्व को विस्तार रूप से प्रस्तुत किया। उद्यानिकी विभाग के सह प्राध्यापक डॉ एम पी यादव ने मौसमी फलों एवं सब्जियों की जैविक विधि से करने की के तरीके बताएं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से चंबल वैली फार्म प्राइवेट कंपनी लिमिटेड चकरनगर के मुख्य प्रभारी जितेंद्र ने अपना स्टाल लगाकर आए हुए किसानों को खाद एवं दवा के बारे में जानकारी दी। कॉलेज के पादप रोग विज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा बायो टेक्नोलॉजी विभाग के संयुक्त स्टॉल में मशरूम की खेती , मिट्टी परीक्षण आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके उपरांत किसानो को शत-शत विज्ञान के प्रदर्शनी पर क्षेत्र में भ्रमण कराकर गेहूं के विभिन्न प्रजातियों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर मनोज यादव ने किया। इस मौके पर कालेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ डीएन सिंह, डॉ पीके राजपूत, डॉ धर्मेंद्र कुमार,डॉ संजीव कुमार, डॉ डीजे मिश्रा, डॉ संजय विश्वकर्मा, लेफ्टिनेंट ब्रह्मानंद, डॉ

अभिषेक प्रताप सिंह, डॉ गोपीनाथ मौर्य, डॉ प्रकाश दुबे, डॉ योगेश शुक्ला, डॉ आनंद सिंह, डॉ संतोष चंदेल आदि सहित इटावा जनपद के किसान, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं रावे के छात्र उपस्थित रहे।

निजी एम्बुलेंस की सहायता से 50 दर्जनों परिवारों की बस्ती है। वह अपने घर जा रहा था। अपने स्तन से जहरीला दूध पिलाने बात कहते हैं। इंद्र इससे क्रोधित हो

किसान मेला

कृषि विभाग की ओर से जनता कॉलेज में लगा मेला, खेती में गौ उत्पादों का प्रयोग फसल उत्पादन में लाता है वृद्धि

जैविक खेती से बढ़ जाती फसलों की पैदावार : सिंह

अमृत विचार , बकेवर

जनता कॉलेज बकेवर में व्यामशाला में कृषि विभाग के सौजन्य से गौ आधारित प्राकृतिक खेती, फसल प्रबंधन और किसान मेले का आयोजन हुआ। प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने शुरुआत करते हुए जैविक खेती के बारे में बताया। प्राचीन इतिहास में गौ आधारित प्राकृतिक कृषि के महत्व का जिक्र किया। कृषि उपनिदेशक आरएन सिंह ने कीटनाशकों के कम प्रयोग पर जोर दिया। गौ के उत्पाद जैसे गौ मूत्र, गोबर इत्यादि के प्रयोग पर बल दिया।

कार्यक्रम में डॉ. एम पी सिंह ने समन्वित फसल प्रबंधन के अंतर्गत प्रत्येक जीव पर्यावरण एवं भूमि को सुरक्षित रखने के महत्त्व को बताया । समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन, कीट प्रबंधन रोग प्रबंधन, मृदा प्रबंधन, फसल सुरक्षा उपाय अपनाकर किसान दोगुना उत्पाद प्राप्त कर सकते हैं। समन्वित फसल प्रबंधन के अंतर्गत यदि किसान रसायनों का प्रयोग कम कर जैव उत्पादों पर आधारित प्राकृतिक खेती करने के तरीके अपनाएंगे तो सबकुछ सुरक्षित रहेगा और उत्पादन भी बढ़ेगा ।

किसान गोष्ठी में उपस्थित डीडी कृषि आरएन सिंह व प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर।

डा. मनोज यादव ने बीज के संशोधन के बारे में बताया व सांपों

- कृषि विशेषज्ञों ने रसायनिक खेती से बचने की दी सलाह
- मौसमी फलों और सब्जियों की खेती के बारे में बताया गया

का महत्व बताया। डॉ आदित्य कुमार ने पशुपालन एवं पशु रोग प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ आशीष त्रिपाठी ने कृषि में सांपों के महत्व को विस्तार रूप से प्रस्तुत किया। उद्यानिकी विभाग के सह प्राध्यापक डॉ एम पी यादव ने मौसमी फलों एवं सब्जियों की जैविक विधि से करने की के तरीके बताएं। चंबल वैली फार्म प्राइवेट कंपनी लिमिटेड चकरनगर के मुख्य प्रभारी जितेंद्र ने अपना स्टाल लगाकर आए हुए किसानों को खाद एवं दवा के बारे में जानकारी दी। कॉलेज के पादप रोग विज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा बायो टेक्नोलॉजी विभाग के संयुक्त स्टॉल में मशरूम की खेती, मिट्टी परीक्षण आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके उपरांत किसानो को शत-शत विज्ञान के प्रदर्शनी पर क्षेत्र में भ्रमण कराकर गेहूं के विभिन्न प्रजातियों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर मनोज यादव ने किया। इस मौके पर कालेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ डीएन सिंह, डॉ पीके राजपूत, डॉ धर्मेंद्र कुमार,डॉ संजीव कुमार, डॉ डीजे मिश्रा, डॉ संजय विश्वकर्मा, लेफ्टिनेंट ब्रह्मानंद, डॉ अभिषेक प्रताप सिंह, डॉ गोपीनाथ मौर्य, डॉ प्रकाश दुबे, डॉ योगेश शुक्ला, डॉ आनंद सिंह, डॉ संतोष चंदेल आदि सहित इटावा जनपद के किसान, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं रावे के छात्र उपस्थित रहे।

गो आधारित प्राकृतिक खेती करें किसान

बकेवर। कृषि विभाग की ओर से जनता कॉलेज में गो आधारित प्राकृतिक खेती एवं फसल प्रबंधन को लेकर गोष्ठी और किसान मेला का आयोजन किया। उनिदेशक कृषि ने जल, जमीन और वातावरण को सही और सुरक्षित रखने पर जोर दिया।

प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी ने गो आधारित प्राकृतिक कृषि के महत्व का जिक्र किया। उपनिदेशक कृषि आरएन सिंह ने कीटनाशकों के कम प्रयोग पर जोर दिया। गोमूत्र, गोबर इत्यादि का खेती में इस्तेमाल पर जोर दिया।

किसान मेले में कृषि विशेषज्ञों ने किया प्रेरित

उन्होंने कहा कि पोषक तत्व प्रबंधन, कीट प्रबंधन रोग प्रबंधन, मृदा प्रबंधन, फसल सुरक्षा उपाय अपनाकर किसान दोगुना उत्पाद प्राप्त कर सकते हैं। डॉ.मनोज यादव ने बीज के संशोधन के बारे में बताया। डॉ.आदित्य कुमार ने पशुपालन एवं पशु रोग प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। डॉ. आशीष त्रिपाठी ने कृषि में सांपों के महत्व की जानकारी दी।

उद्यानिकी विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. एमपी यादव, जितेंद्र, डॉ. मनोज यादव डॉ. डीएन सिंह, डॉ.पीके राजपूत, डॉ. धर्मेंद्र कुमार, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. डीजे.मिश्रा, डॉ.संजय विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे। (संवाद)